

खूंटी : मिलावटी खाद्य पदार्थों पर प्रशासन सख्त, नियमित जांच और छापेमारी के निर्देश



खूंटी : जिले में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने को लेकर उपायुक्त मो॰ जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्श समिति की बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित सभागार में हुई इस बैठक में एनालॉग एवं नॉन-डैयरी पनीर के उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण, परिवहन, वितरण तथा थोक एवं खुदरा बिक्री से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने जिले के विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों, विशेषकर पनीर और तेल की नियमित जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को खाद्य सामग्रियों के नमूने एकत्रित कर उनकी गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने तथा दुकानों में साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लेने को कहा। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के भी निर्देश दिए गए। त्योंहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को नियमित छापेमारी अभियान चलाने तथा जांच में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ जुमानां सहित नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समिति के नामित सदस्यों से भी अपील की गई कि वे अपने क्षेत्रों में दूषित या खराब गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री की बिक्री की सूचना जिला प्रशासन को दें। विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित होने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। विद्यालयों की कैंटीन और आसपास बिकने वाली खाद्य सामग्रियों की नियमित निगरानी करने तथा बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का निर्देश प्रधानाध्यापकों को दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी को होटलों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर के स्थान पर व्यावसायिक सिलेंडर के उपयोग की जांच करने और नियमित छापेमारी करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, डीएसपी मुख्यालय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, समिति के नामित सदस्यों सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची-चतरा मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण और गंदे पानी से परेशानी, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

रांची : रांची-चतरा मुख्य मार्ग स्थित राय स्वामी नगर में कथित अतिक्रमण, अवैध कब्जे और सड़क पर गंदा पानी बहाए जाने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सड़क पर जलजमाव और बदबूदार कीचड़ के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने और समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग की है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, क्षेत्र में मुंडा समाज को बासगीत पंचा के तहत मिली भूमि और उसके सामने स्थित रैयती जमीन पर कथित रूप से घरों और दुकानों का निर्माण किया गया है। आरोप है कि सीसीएल द्वारा पुलिया तोड़े जाने के बाद पैदा हुई स्थिति का कुछ लोगों ने फायदा उठाया और घरों का गंदा पानी पाइप के जरिए सीधे मुख्य सड़क पर बहाना पड़ रहा है। इससे सड़क पर लगातार पानी जमा रहता है। कीचड़ और जलजमाव के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। क्षेत्र में संचालित बीकेबी कंपनी के औद्योगिक डीजल पंप को लेकर भी स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। बताया गया है कि यह पंप रैयती जमीन पर किराये से संचालित है और इसके महाप्रबंधक उमेश उपाध्याय हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि परिसर में पर्पात सुरक्षा व्यवस्था नहीं है और सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगाए गए हैं। इसके अलावा, पंप से बिजली चोरी कर निजी घरों में इस्तेमाल किए जाने की शिकायत भी की गई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि सीसीएल के सीएसआर या विकास फंड से जनता की सुविधा के लिए बनाए गए बस स्टैंड और सार्वजनिक कुएं पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर लिया गया है। इससे आम लोगों को इन सार्वजनिक सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

कोयला संकट के बीच तेनुघाट पावर स्टेशन को राहत

रांची: बोकारो जिले में स्थित तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड (टीवीएनएल) के ललपनिया स्थित तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन (टीटीपीएस) में कोयला संकट के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। कोयले की कमी के कारण बीते 25 सितंबर से बंद पड़ी यूनिट संख्या-दो से बृहस्पतिवार मध्य रात्रि के बाद 1:05 बजे फिर से बिजली का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही अब इस विद्युत परियोजना की दोनों इकाइयों से कुल मिलाकर लगभग 310 से 320 मेगावाट तक बिजली का उत्पादन हो रहा है। बंद पड़ी दूसरी यूनिट के दोबारा चालू हो जाने से पावर स्टेशन प्रबंधन ने बड़ी राहत महसूस की है।

तकनीकी प्रक्रिया और उत्पादन की स्थिति: प्राप्त जानकारी के अनुसार, यूनिट संख्या-दो को गुरुवार सुबह 10:03 बजे लाइटअप किया गया था। इसके पश्चात आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया और शुक्रवार मध्य रात्रि के बाद 1:05 बजे इस इकाई से बिजली का उत्पादन शुरू हो गया। वर्तमान में इस दूसरी इकाई से लगभग 160 मेगावाट बिजली मिल रही है। वहीं, पहली यूनिट से लगातार बिजली उत्पादन जारी है, जिससे लगभग 150 मेगावाट बिजली प्राप्त हो रही है। दोनों इकाइयों के एक साथ क्रियाशील रहने से तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन का कुल बिजली उत्पादन बढ़कर लगभग 310 से 320 मेगावाट तक पहुंच गया है। कोलफील्ड्स से दो रैक कोयला मिला: टीवीएनएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि गुरुवार को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की ओर से दो रैक कोयला उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की ओर से कोयले की आपूर्ति आगे भी इसी प्रकार नियमित रूप से जारी रहेगी। कोयले का आपूर्ति लगातार बनी रहने से पावर स्टेशन की दोनों यूनिटों का संचालन सुचारु रूप से जारी रखने में काफी मदद मिलेगी।

झारखंड

दुर्गा पूजा से पहले महिलाओं के खाते में आयी मईयां सम्मान योजना की किश्त

3.93 लाख महिलाओं के खाते में ट्रांसफर किये गये 98.49 करोड़

रांची : झारखंड सरकार ने दुर्गा पूजा से पहले रांची जिले की 3 लाख 93 हजार 994 पात्र महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि उनके बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी है। सितंबर माह की इस सम्मान राशि के तहत कुल 98 करोड़ 49 लाख 85 हजार रुपये सीधे आधार आधारित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर

(डीबीटी) के माध्यम से भेजे गए हैं।

इस प्रक्रिया के तहत प्रत्येक पात्र महिला के खाते में 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता हस्तांतरित की गई है। राज्य सरकार ने पर्व-त्योहार के दौरान महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने और उनकी जरूरतों को आसानी से पूरा करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। महिला सशक्तीकरण को मजबूती दे रही योजना: मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना का प्रमुख उद्देश्य राज्य की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से



महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।सितंबर माह की सम्मान

राशि समय पर जारी होने से लाखों महिलाओं को दुर्गा पूजा से ठीक पहले बड़ी राहत मिली है। सरकार की इस पहले से महिलाएं घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के

एनएच-22 पर 6 घंटे जाम से मचा हाहाकार



रश्मि मेटलिक्स के जीएम पर भड़के ग्रामीण, थाना प्रभारी की पहल पर हुई वार्ता

चंदवा : रांची-चतरा मुख्य मार्ग एनएच-22 पर शुक्रवार को ग्रामीणों के सड़क जाम से आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सुबह करीब नौ बजे से दोपहर ढाई बजे तक सड़क जाम रहने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी गईं। सैकड़ों वाहन चंटों फंसे रहे और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उड़ीसा एलॉय (रश्मि मेटलिक्स) कंपनी के जीएम अनुज मुखर्जी के खिलाफ ग्रामीणों के आक्रोश और दर्ज एफआईआर को लेकर विवाद गहराने के बाद ग्रामीणों ने सड़क

जाम कर दिया था। ग्रामीण संबंधित मामले को वापस लेने तथा कंपनी प्रबंधन के साथ वार्ता कराने की मांग पर अड़े थे। ग्रामीणों का आरोप था कि रश्मि मेटलिक्स के आने के बाद से पेसा कानून के प्रावधानों की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से कार्य किया जा रहा है। कंपनी प्रबंधन स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है और न ही उनके साथ बैठकर सार्थक बातचीत की जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जीएम अनुज मुखर्जी के आने के बाद से इस तरह की स्थिति लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना था कि उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने के कारण उन्हें सड़क पर उतरने को मजबूर होना पड़ा।

सड़क से हटकर कंपनी गेट पर पहुंचे ग्रामीण: करीब साढ़े छह से सात घंटे तक चले घटनाक्रम के

बाद ग्रामीणों ने एनएच-22 से जाम हटाकर कंपनी के मुख्य गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद चंदवा थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह ने मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की पहल की। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया और उनके पक्ष को सुनते हुए उनकी मांगों को कंपनी प्रबंधन तक पहुंचाने का प्रयास किया। थाना प्रभारी की पहल पर ग्रामीणों के प्रतिनिधियों और कंपनी के जीएम अनुज मुखर्जी के बीच वार्ता कराई गई।

थाना प्रभारी की इस पहल की स्थानीय लोगों के बीच सराहना होती रही। लोगों का कहना था कि तनावपूर्ण परिस्थितियों में पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि संवाद के माध्यम से विवाद का समाधान निकालने का प्रयास भी होना

चाहिए। ग्रामीणों की बात सुनकर उन्हें वार्ता के लिए तैयार करना और कंपनी प्रबंधन के साथ बातचीत का रास्ता खोलना इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम माना गया। मामले को लेकर लातेहार एसपी कुमार गौरव से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि एफआईआर से संबंधित मामले की जांच चल रही है। वहीं, थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह की पहल से जाम हटया गया। इस कार्य के लिए एसपी कुमार गौरव ने थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह का सराहना कीए. फिलहाल ग्रामीणों और कंपनी प्रबंधन के बीच हुई वार्ता के बाद आगे की स्थिति पर नजर बनी हुई है। ग्रामीणों की प्रमुख मांग एफआईआर से जुड़े विवाद का समाधान और कंपनी प्रबंधन द्वारा उनकी समस्याओं पर गंभीरता से पहल करना है। पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर स्थानीय ग्रामीणों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बीच संवाद तथा आपसी समन्वय की आवश्यकता को सामने ला दिया है।

वहीं एसडीओ लातेहार, एसडीपीओ संदीप कुमार ग्रामीण मे हुए एफआईआर पर अनुसंधान के बाद ही कार्रवाई का आश्वासन ग्रामीणों को दिया , साथ ही उड़ीसा एलॉय (रश्मि मेटलिक्स) कंपनी के जीएम अनुज मुखर्जी से ग्रामीण कार्य सफल वतालापि नही हो पाई है।

मांगें पूरी नहीं होने पर 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने निकाला कैंडल मार्च

मेदिनीनगर (पलामू): राज्य सरकार की वादाखिलाफी के विरोध और अपनी मांगों के समर्थन में पलामू में 108 एंबुलेंस कर्मचारियों का चरणबद्ध आंदोलन जारी है। छह अक्तूबर से कर्मचारी काला बिरला लगाकर ड्यूटी कर रहे हैं। शुक्रवार की देर शाम कर्मचारियों ने सिविल सर्जन कार्यालय परिसर से कैंडल मार्च निकाला। मुख्य मांगों से होते हुए मार्च समाहरणालय पहुंचा। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। आशवासन के बाद भी नहीं हुआ समस्याओं का समाधान: झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों का यह आंदोलन चल रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि पिछले माह

आंदोलन शुरू होने के बाद राज्य सरकार ने 16 सितंबर को संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने 108 एंबुलेंस कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान 20 दिनों के अंदर करने का आश्वासन दिया था। कर्मचारियों ने सरकार के आश्वासन के अनुसार पांच अक्तूबर तक कार्रवाई का इंतजार किया। इसके बावजूद उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। इससे विवश होकर उन्हें फिर से आंदोलन करना पड़ रहा है।एजेंसी पर शोषण का लगाया आरोप: कर्मचारियों ने कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी करते हैं, लेकिन एजेंसी उनका

शोषण कर रही है। उन्होंने सम्मान फाउंडेशन द्वारा हटाये गये कर्मचारियों को दोबारा बहाल करने की मांग की। इसके अलावा सभी कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआई, ओवरटाइम, ग्रेजुटी और न्यूनतम वेतन सहित सभी वैधानिक अधिकार उपलब्ध कराने की मांग की गयी। माँगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन: कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी माँगें पूरी नहीं होतीं, तब तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। कैंडल मार्च में आशीष रंजन, दिलीप ठाकुर, ललन चौधरी, चंदन ठाकुर, जितेंद्र चौधरी, राहुल चौधरी, गौरव कुमार, पंकज कुमार यादव, सरजू सिंह, नारायण सिंह सहित कई कर्मचारी मौजूद थे।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

सेवानिवृत्त चालक ने की पेंशन भुगतान नहीं होने की शिकायत

उपायुक्त ने जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का दिया निर्देश

संवाददाता

लातेहार: समाहरणालय में शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन



शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनीं और

संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में लातेहार के माको गांव निवासी राम कृष्ण राम ने पेंशन भुगतान नहीं होने की समस्या को

लेकर आवेदन सौंपा। उन्होंने बताया कि वह राज्य खाद्य निगम, लातेहार में चालक के पद पर कार्यरत थे और 31 दिसंबर 2010 को सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बावजूद अब तक उन्हें पेंशन का भुगतान नहीं हो रहा है। पेंशन नहीं मिलने के कारण उन्हें आजीविका चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने उपायुक्त से पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित प्रकरण की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि जन शिकायतों के निष्पादन से संबंधित प्रकरण की लापरवाही नहीं बरती जाए और आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से

संबंधित अन्य आवेदन भी प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों के पास अग्रसारित करते हुए मामलों का भौतिक सत्यापन करने और नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को होता है जन शिकायत निवारण: आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायतों के निष्पादन के उद्देश्य से उपायुक्त ने निदेशानुसार जिले के जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसके माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

साथ-साथ त्योहार की खरीदारी भी आसानी से कर सकेंगी। इसके अलावा, इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाओं और परिवार की अन्य जरूरी आवश्यकताओं में किया जा सकेगा। जानकारी का मानना है कि समय पर सहायता मिलने से स्थानीय बाजारों में भी खरीदारी बढ़ेगी और छोटे व्यापारियों को लाभ होगा। डीबीटी के जरिये बैंक खातों में भेजी गई राशि: योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभुकों को आधार आधारित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से राशि सीधे बैंक खातों में भेजी गई है। इस पारदर्शी प्रणाली को अपनाने से बिचौलियों की

भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है और योजना का लाभ बिना किसी अड़चन के सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। राज्य सरकार लगातार डिजिटल भुगतान व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है, ताकि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर और बिना किसी परेशानी के पात्र लोगों को मिल सके। डीबीटी व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। रांची जिले के ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों की पात्र महिलाओं को योजना का लाभ दिया गया है। जिले में कुल 3,93,994 महिलाओं को इस किस्त का लाभ मिला है।

अखिल भारतीय सर्वर्ण मोर्चा ने अपने हक- अधिकारों को लेकर दस सूत्री मांगपत्र राज्यपाल व उपायुक्त को सौंपा

मेट्रो रेज

रांची : अखिल भारतीय सर्वर्ण मोर्चा ने अपने हक- अधिकारों के लिए दस सूत्री मांगों को लेकर उपायुक्त कार्यालय रांची एवं महामहिम राज्यपाल (झारखंड) को ज्ञापन सौंपा।

मोर्चा अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में परिवर्तन करते हुए हुए जयपाल सिंह स्ट्रेडियम के जगह मोरहाबादी मैदान बापू वाटिका स्थल पर एकत्रित होकर सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता स्व रूपी सोरेन को 2 मिनट मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करने- अपने हथों में तख्ती लेकर पैदल राजभवन तक पहुंचा। तत्पश्चात उपायुक्त रांची एवं राज्यपाल झारखण्ड को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के उपरान्त मीडिया से मुखातिब होते हुए सर्वर्ण मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि सर्वर्णों के खिलाफ सरकार और विरोधी जमात द्वारा तरह-तरह के षड्यंत्र रचा जा रहा है। ऐसे में सर्वर्ण समाज अपनी हक अधिकारों के लिए एकजुट होकर अपने मांगों के लिए मुखर होकर आवाज उठा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हमारी मांगों को नहीं माना गया, तो सर्वर्ण समाज और धारदार तरीके से आंदोलन चलाने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में हम सर्वर्ण समाज के गणमान्य लोगों के साथ अपनी मांग पत्र का ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय रांची एवं महामहिम राज्यपाल झारखंड को सौंपा है। अगर सरकार आगे



अधिकार देता है। ऐसे में किसी भी सरकार को चाहिए कि सबको एक समान अधिकार मिले। हम किसी वर्ग, समाज का विरोध नहीं करते, बस सिर्फ हम केंद्र व राज्य सरकार से अपने अधिकार की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन सर्वर्ण समाज की मांगों को गांव से राजधानी और राजधानी से सवैधानिक संस्थाओं तक, संगठित होकर, लोकतांत्रिक तथा सवैधानिक तरीके से अपनी आवाज को पहुंचाते हुए और बुलंद करेगी।

सर्वर्ण मोर्चा की मुख्य मांगें पहला- यूजीसी नियमावली को वापस लिया जाए, दूसरा- राष्ट्रीय सर्वर्ण आयोग का गठन हो,तीसरा- एससी/ एसटी एक्ट में संशोधन या स्वर्ण एक्ट का निर्माण किया जाए, चौथा : जातिगत आरक्षण की जगह आर्थिक आधार पर आरक्षण सबके लिए हो, पाचवां : झारखंड सहित सभी राज्यों में सर्वर्ण आयोग का गठन हो, छठा: सवर्ण छात्रवृति एवं सर्वर्ण छात्रावास स्थापित हो, सातवां : सर्वर्ण समाज के विकास के लिए भी सर्वर्ण बजट का आवंटन हो,आठवां: अन्य वर्गों की तरह सर्वर्ण मंत्री /मंत्रालय बनाया जाए, नौवां: सर्वर्णों को भी कानून /बजट/ योजनाओं में बराबरी दी जाए, दसवां झ़ राजनीतिक दलों में अन्य जातिगत मोर्चा की तरह सर्वर्ण मोर्चा का भी व्यवस्था बनें।

प्रदर्शन मे मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह, राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह, प्रदेश संरक्षक रामेश्वर दयाल सिंह,प्रवीण सिंह, भोला झा, विकास सिंह, कमल ठाकुर, विशाल सिंह, अनिल मिश्रा, रमेश सिंह, संतोष सिंह, संजय सहाय, रंजन झा, टुलू पांडे, दिलीप सिंह, संजय सिंह, यश सिंह परमार, श्रीमती नीलम चौबे, मालती सिंह समेत भारी संख्या में लोग शामिल थे।

एम्स देवघर के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए उपराष्ट्रपति , बांटी मेडिकल डिग्रियां, कहा-

ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में योगदान दें युवा डॉक्टर



संवाददाता

देवघर: एम्स की आधुनिक पहल से प्रभावित हुए उपराष्ट्रपति एम्स देवघर के दूसरे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मेडिकल क्षेत्र में सफल छात्र-छात्राओं को डिग्रियां और मेडल प्रदान किया। उन्होंने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में योगदान देने की अपील की। उपराष्ट्रपति ने भारतीय संस्कृति और आधुनिकता के मेल पर जोर दिया। साथ ही, सुदूर और जनजातीय क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से दवाइयां व



आपातकालीन चिकित्सा सामग्री पहुंचाने की एम्स देवघर की पहल की सराहना की। इस दौरान एमबीबीएस, नर्सिंग और एमडी-

एम्एस के विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गयी। वहीं, 11 मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इसके बाद उपराष्ट्रपति दर्दमारा स्थित बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट (बीबीएमटी) परिसर में आयोजित सैन्य संपर्क मेला के लिए रवाना हुए। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन विशेष विमान से शनिवार को देवघर पहुंचे, जहां राज्यपाल संतोष गंगवार ने फूलों का गुलदस्ता देकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उनके अलावा केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव भी आए हैं।

भाजपा खलारी मंडल ने अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रंजय भारती का किया भव्य स्वागत



प्रवेश चौहान खलारी

खलारी: भारतीय जनता पार्टी खलारी मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा शुक्रवार को वीआईपी सभागार कक्ष डकरा में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रंजय भारती के भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। 2इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंजय भारती उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के नेता संदीप सीताराम रवि एवं उपेंद्र रजक उपस्थिति थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनिल गंडू एवं संचालन भाजपा खलारी मंडल के महामंत्री रतनलाल ने की। सामाजिक समरसता का संदेश वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद सिंह ने

रांची जेडी नेशनल बीएड कॉलेज में विदाई समारोह

शिक्षक ही राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव : सुदेश महतो



एजेंसी

अनगड़ा(रांची): जेडी नेशनल बीएड कॉलेज में विदाई समारोह हुआ। यह सत्र 2024-26 के प्रशिक्षुओं के लिए था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने भावी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक न केवल समाज को दिशा देता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी उसकी भूमिका सबसे अहम होती है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

समर्पण भाव से कार्य करें भावी शिक्षक : सुदेश महतो ने सभी भावी शिक्षकों से समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण और समाज को बेहतर दिशा देने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में पूरी निष्ठा के साथ योगदान देने की अपील की।

प्रशिक्षुओं को मिला अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस

समारोह के दौरान सत्र 2024-26 के प्रशिक्षुओं को दो वर्षों की शैक्षणिक यात्रा पूरी करने के उपलक्ष्य में अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर प्रशिक्षुओं में उत्साह देखा गया। यह समारोह उनके कॉलेज जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव और भावी पेशेवर यात्रा की शुरुआत का प्रतीक रहा।

: कार्यक्रम में सत्र 2025-27 के प्रशिक्षुओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने समारोह को वादगार बनाया। कार्यक्रम में कॉलेज परिवार के सदस्यों ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज के पदाधिकारी और शिक्षक रहे मौजूद: मौके पर कॉलेज की सचिव जेडी सिंह, स्मृति कटियार, अरविंद कुमार, प्राचार्या डॉ। निहारिका कुमारी, जलनाथ चौधरी, संजय महतो, जगन्नाथ महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

एलएन इंटरनेशनल स्कूल में महालया के आरंभ से पूर्व कार्यक्रम ,डांडिया पर थिरके पांव



मेट्रो रेज

रांची: चुटिया स्थित एलएन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में अयोध्यापुरी विकास समिति की ओर से डांडिया का आयोजन किया गया। महालया के आरंभ से पूर्व आयोजित इस कार्यक्रम में अयोध्यापुरी और आसपास के मोहल्ले की मातृ शक्ति ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। डांडिया कार्यक्रम शुरू होने से पहले माता दुर्गा को नमन किया गया। इसके बाद कलाकार और मुख्य गायक आकाश वर्मा एवं उनकी टीम ने धार्मिक गीत प्रस्तुत किए। जिस पर महिलाओं संग पुरुषों, बच्चों में भी जबरदस्ती उत्साह दिखा। भाव भक्ति से सरोबार हर किसी के पांव डांडिया पर थिरकते दिखे। शुक्रवार देर रात तक चले इस शानदार एवं भव्य कार्यक्रम के आयोजन में



सुकेश गुप्ता, विकेश सिन्हा, केसरी, नितेश साहू एवं अन्य की सुमित पांडे, पंकज सिंह, संदीप बड़ी भूमिका रही।

डिज्नीलैंड की थीम पर बनेगा अरगोड़ा का दुर्गा पूजा पंडाल



संवाददाता

रांची : श्री दुर्गा पूजा एवं राहन दहन समिति के बैनर तले इस बार 45 लाख की लागत से पेरिस का डिज्नीलैंड दुर्गा पूजा पंडाल बनाया जा रहा है। इस पूजा पंडाल में धर्माकॉल, बीट और लोहा का उपयोग किया जा रहा है। इसकी ऊंचाई 100 फीट व 60 फीट चौड़ाई है। भक्तों के दर्शन के लिए दुर्गा पूजा पंडाल को अंतिम रूप दी जा रही है। 200 भक्तों को एकबार में मां दुर्गा समेत अन्य देवी-देवताओं के दर्शन कराए जाएंगे। पंडाल के पट 15 अक्टूबर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। पंडाल के अंदर 16 फीट की मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। पुजारी अनिल पांडेय द्वारा पूजा-अर्चना कराई जाएगी। इस पूजा पंडाल के परिसर में मिकी माऊस बच्चों को मनोरंज करता दिखेंगे। दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किए



जाएंगे। 19 अक्टूबर को मंदिर में सैकड़ों बकरों की बलि दी जाएगी। पूजा उत्सव में गया के गायक भी आएंगे। जो माता रानी का जागरण करावेंगे। लाइटों में दिखाया जाएगा रामदरवार

प्रधान महासचिव मुनेश्वर साहु ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव में अरगोड़ा दुर्गा पूजा पंडाल में भक्तों को लाइट शो के माध्यम से राम दरबार दिखाया जाएगा। इसके अलावा अरगोड़ा मैदान में दशमी के दिन रावण दहन का भी आयोजन होगा। इस दौरान रिमोट से पटाखे फोड़े जाएंगे। यहां शाम 4 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। भक्तों के स्वागत के लिए 7 प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। इसके साथ ही 40 साईड गेट भी बनाए गए हैं। जहां विभिन्न देवी-देवताओं के प्रतिमाओं को दिखाया जाएगा।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मिलने पहुंचे सांसद पप्पू यादव

रांची: झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मुलाकात करने के लिए शनिवार को बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव पहुंचे। उन्होंने मंत्री से मुलाकात कर उनकी बेटी तुषा सिंह के निधन पर दुख जताया और परिवार के प्रति संवेदन व्यक्त की। 24 सितंबर को सड़क हादसे में हुई थी बेटी की मौत: मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी तुषा सिंह की मौत 24 सितंबर 2026 को जमशेदपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में हो गयी थी। यह हादसा तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच सोनारी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव पर हुआ था। तुषा सिंह की कार सड़क किनारे खड़े एक खराब ट्रक (ट्रेलर) से पीछे से टकरा गयी थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इस हादसे में तुषा सिंह समेत चार लोगों की जान चली गयी थी।पूर्णिया से निर्दलीय सांसद हैं पप्पू यादव: पप्पू यादव बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद हैं। बता दें, बेटी तुषा को खोने के बाद मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और उनका परिवार दुख की घड़ी से गुजर रहा है। ऐसे समय में पप्पू यादव ने उनसे मुलाकात कर अपनी संवेदना जतायी और परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की।

महिला सुरक्षा की मुहिम में टकराव की जगह साझेदारी की जरूरत

दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर हाल के प्रदर्शनों के दौरान लगे कुछ नारों ने सामाजिक विमर्श को एकबार फिर बहस के केंद्र में ला दिया है। ह्दहृएक कचौड़ी, दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसाहूहू, ह्दहृदहनारी अपने आप की, नहीं किसी के बाप कीहूहूह, ह्दहृदफूल नहीं, चिंगारी है, ये भारत की नारी हैहूहूह और ह्दहृदठंठे समोसे गर्म करो, मर्द जात शर्म करोहूहूह जैसे नारे अपने अंदाज में नये और व्यंग्यात्मक जरूर हैं लेकिन इनके भीतर छिपे संदेश पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। महिला सुरक्षा आज समाज की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। महिलाओं के साथ हिंसा, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षा जैसी घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाना महिलाओं का अधिकार है और समाज तथा शासन की जिम्मेदारी भी है। किसी महिला के साथ अपराध के लिए उसके पहनावे, व्यवहार या स्वतंत्रता को जिम्मेदार ठहराना न केवल गलत है बल्कि अपराधी के कृत्य से ध्यान भटकाने वाला तर्क भी है। महिला चाहे किसी भी पोशाक में हो, किसी भी समय घर से बाहर निकले या अपनी पसंद के अनुसार जीवन जिये, उसकी सुरक्षा उसका मूल अधिकार है। महिला सुरक्षा की लड़ाई को पुरुष बनाम महिला के संघर्ष में बदल देना भी समाधान नहीं हो सकता, यदि कुछ नारों में ‘मर्द जात’को सामूहिक रूप से संदेह या शर्म का पात्र बनाया जाता है तो इससे समाज में संवाद की जगह टकराव बढ़ने का खतरा रहता है। किसी व्यक्ति के अपराध के लिए लिंग के आधार पर जिम्मेदार ठहराना उतना ही अनुचित है, जितना किसी महिला के साथ हुई घटना के लिए उसके पहनावे या जीवनशैली को दोष देना। महिला सुरक्षा का प्रश्न पूरे समाज का प्रश्न है। अपराध करने वाला पुरुष हो सकता है लेकिन अपराध के खिलाफ आवाज उठाने वाला भी पुरुष हो सकता है। पिता अपनी बेटी की सुरक्षा और सम्मान के लिए चिंतित होता है, भाई अपनी बहन के लिए खड़ा होता है, पति अपनी पत्नी के अधिकारों का सम्मान करता है और बेटा अपनी मां के सम्मान की रक्षा करता है। दूसरी ओर, महिलायें भी सामाजिक बदलाव की महत्वपूर्ण साझेदार हैं। इसलिए इस लड़ाई को स्त्री और पुरुष के बीच खाई पैदा करने वाली लड़ाई नहीं बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक समाज बनाने का साझा अभियान बनाना चाहिए। यह भी समझना जरूरी है कि महिलाओं के कपड़े, रहन-सहन या उनकी स्वतंत्रता को महिला असुरक्षा का कारण बताना उचित नहीं है। किसी भी परिस्थिति में अपराध का उत्तरदायित्व अपराधी का ही होना चाहिए। साथ ही, स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी व्यक्ति- चाहे वह पुरुष हो या महिला, को सामाजिक मर्यादा, कानून और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों की अनदेखी करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। समाज में शालीनता और जिम्मेदारी की अपेक्षा दोनों से समान रूप से होनी चाहिए। भारत का सामाजिक इतिहास इस बात का प्रमाण है कि बड़े परिवर्तन कभी केवल एक वर्ग के संघर्ष से संभव नहीं हुए। स्वतंत्रता आंदोलन में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया। देश की आजादी किसी एक वर्ग की उपलब्धि नहीं बल्कि सामूहिक संघर्ष का परिणाम थी। इसी तरह सामाजिक कुरीतियां, अशिक्षा, गरीबी, हिंसा और अपराध के खिलाफ लड़ाई भी सामूहिक प्रयास से ही सफल होगी। महिला सुरक्षा के लिए कानूनों का कठोर और निष्पक्ष पालन जरूरी है। पुलिस व्यवस्था को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। शिकायत दर्ज कराने से लेकर न्याय मिलने तक की प्रक्रिया आसान और तेज होनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन, बाजार, कार्यस्थल, शिक्षण संस्थानों और डिजिटल माध्यमों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही बच्चों और युवाओं में बचपन से ही लैंगिक सम्मान, सहमति, संवेदनशीलता और जिम्मेदार व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए। सिर्फ कानून बनाकर समाज नहीं बदलेगा। घर, विद्यालय, परिवार, मिडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार लड़कियों को सावधानी और आत्मरक्षा सिखाई जाती है, उसी प्रकार लड़कों को भी यह सिखाना होगा कि किसी महिला की इच्छा, गरिमा और व्यक्तिगत सीमा का सम्मान करना उनकी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। महिला आंदोलन की ताकत उसकी व्यापकता में है। यदि यह आंदोलन पुरुषों के प्रति नफरत का संदेश देने लगेगा तो उसका दायरा सीमित हो सकता है लेकिन यदि इसका संदेश यह हो कि ह्दहृदहर महिला सुरक्षित हो, हर पुरुष जिम्मेदार हो और हर अपराधी कानून के सामने जवाबदेह होहूहूह, तो समाज के अधिकांश लोग इसके साथ खड़े होंगे।नारे आंदोलन की आवाज होते हैं लेकिन नारे समाज की दिशा भी तय करते हैं। इसलिए नारों में आक्रोश के साथ विवेक और संवाद की जगह भी होनी चाहिए। महिला को कमजोर समझना गलत है लेकिन पुरुष को जन्म से अपराधी मान लेना भी गलत है। जरूरत किसी एक वर्ग को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की नहीं बल्कि दोनों को समान जिम्मेदारी के साथ खड़ा करने की है।महिला सुरक्षा की असली लड़ाई तब जीती जायेगी, जब समाज में यह भावना मजबूत होगी कि महिला की स्वतंत्रता सम्मान के साथ सुरक्षित है, पुरुष की जिम्मेदारी कानून और नैतिकता से तय होती है और अपराधी की पहचान उसके लिंग से नहीं, उसके कृत्य से होती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि मर्दों पर लगाम कैसे लगे ?हूहूह बल्कि सवाल यह भी होना चाहिए कि ऐसा समाज कैसे बने, जहां किसी महिला को असुरक्षित महसूस न करना पड़े और किसी पुरुष को केवल पुरुष होने के कारण संदेह की नजर से न देखा जाय, यही संतुलित दृष्टिकोण महिला सुरक्षा को वास्तविक सामाजिक आंदोलन में बदल सकता है।

मेट्रो रज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित। प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवायों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in email : metrorays.ranchi@gmail.com
--



एसआईआर पर हंगामा, हकीकत से ज्यादा फसाना

मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं। सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारीगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर

उमेश चतुर्वेदी

सवाल उठे या वह खरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दौनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा भ्रम और डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है। लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां

घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परीक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और सवाल उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुरश दिख रहा है।

मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं। सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर

दवा में डकैती : 2700 रुपए की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000

फार्मा कंपनियां अपनी दवाओं के मूल्य का निर्धारण किस आधार पर करती हैं, यह भी बड़ा सवाल है ? साफ है, जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं तो फिर एमआरपी के छद्म आधारित मूल्य व्यवस्था कैसे और क्यों बनी हुई है? जबकि सबका स्वस्थ रहना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजुबा करार दिया है। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा है। 2700 रुपए की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपए अंकित होने पर इसे न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो ह्दइनदहाड़ेह्द डकैती कहा और फिर 29 सितंबर 2026 को हुई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में ह्दकलेंआमह्द यानी ह्दसामूहिक संहारह्द तक कहने में संकोच नहीं किया। दवा कारोबारी, निजी और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती। अदालत ने यह

प्रमोद भार्गव

सवाल भी खड़ा किया कि ह्दइतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है?ह्द यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेवारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है। यह विर्दबना तब है, जब भारत सरकार एक दवा, एक मूल्य और एक गुणवत्ता नीति से जुड़ा कानून फरवरी 2025 में पूरे देश में लागू कर चुकी है। इस नियम के तहत थोक दवा विक्रेताओं और ई-फार्मसी को दवाओं की मूल्य-सूची को सार्वजनिक रूप से दिखाना अनिवार्य है, ताकि रोगियों को तय दामों पर ही उचित गुणवत्ता की माफक दवाएं मिल सकें। परंतु शीर्ष न्यायालय की इस तीखी प्रतिक्रिया से साफ है कि दवा विक्रेताओं और सरकारी दवा

खरीद से जुड़े अधिकारियों ने इस कानून को बड़े खाते में डाल दिया है। कॉर्पोरेट अस्पताल अब सेवा नहीं उद्योग बन गए हैं। यहां तक कि ये अस्पताल के भीतर स्थित मेडिकल स्टोर से ही रोगी को दवा खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। यदि कोई रोगी बाहर से दवा लाने को कहता है तो उपचार की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेने की बात (एक तरह की धमकी) कहते हैं। जबकि इनमें से ज्यादातर अस्पताल आयुष्मान भारत और अन्य सरकारी लाभदायी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भी उपचार करते हैं। यानी दवा उत्पादकों और अस्पतालों की मनमानी कानून अस्तित्व में आने के बाद भी बनी हुई है। फार्मा कंपनियां अपनी दवाओं के मूल्य का निर्धारण किस आधार पर करती हैं, यह भी बड़ा सवाल है ? साफ है, जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं तो फिर एमआरपी के छद्म आधारित मूल्य व्यवस्था कैसे और क्यों बनी हुई है? जबकि सबका स्वस्थ रहना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है।

कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की सर्वे रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया गया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। इस रिपोर्ट ने तय किया कि दवाओं की महंगाई का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है बल्कि दवा कंपनियों के मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं और दवाओं की कीमत कई सैकड़ा गुना तक अधिक रख देती हैं। यहां तक कि नामीगरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। ये महंगे दवा उत्पाद सरकारी

नसीरुद्दीन शाह बनाम पीयूष मिश्रा : सवाल, शब्दों के वाण और बेबाकी

एनएसडी के दौर से अपने बेबाक अंदाज और धमकेदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले पीयूष मिश्रा की एक किताब का नाम है- तुम्हारी औकात क्या है, पीयूष मिश्रा।

वहीं, अस्सी के दशक में नसीरुद्दीन शाह की चर्चित फिल्म आई थी- अल्वर्ट पिंोट को गुस्सा क्यों आता है। संयोग देखिए, आज दोनों कलाकारों के बीच चल रहे शब्द बाणों में जैसे इन दोनों शीर्षकों की झलक दिखाई दे रही है। एक तरफ दवाओं के बीच 2026 में शुरू हुआ सार्वजनिक जुवाना टकराव दिलचस्प सवालों का हिस्सा बन चुका है। पीयूष मिश्रा के धोबी पछाड़ से फिलहाल नसीर चित दिख रहे हैं। इस बीच चर्चा यह हो रही है कि दूसरों की अपराध पर सवाल उठाने वाला व्यक्ति जब खुद सवालों के घेरे में आए तो उसकी अपनी कसौटी क्या होगी?

विवाद की शुरूआत तब हुई थी जब नसीरुद्दीन शाह ने छात्र आंदोलन के मुद्दे पर बॉलीवुड के बड़े सितारों की चुप्पी पर सवाल खड़ा कर दिया था। उनके विचार

से मेल खाने वाले एक न्यूज डिजिटल प्लेटफॉर्म से बातचीत में उन्होंने कहा था कि रसेलेब्रिटीज तब बोलेंगे जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को कहेगा। एक कहावत है कि जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी हो, वह भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उसके मुंह से गिरेगी या उसके दांत टूटेंगे, तब वह भौकेगा।

यह टिप्पणी यहीं खत्म नहीं हुई। झारखंड के छात्र आंदोलन में पहुंचे पीयूष मिश्रा ने उसी रूपक को लपका था। पीयूष मिश्रा ने नसीरुद्दीन शाह से पलटकर सवाल किया था, नसीर साहब आपने कहा था कि जिनके मुंह में हड्डी होती है, वे बोल नहीं सकते, अब मैं पूछ रहा हूं कि वे दूसरे कुत्ते कौन हैं, जो चुप हैं?

यहीं से मामला सिर्फ दो अभिनेताओं की सहित दुनियाभर में सिम्त मछर की कसौटी पर बहस का मुद्दा बन गया।

को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है।

क्या है एसआईआर की मानक प्रक्रिया ?

एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं। मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केन्द्र का दौरा किया जा सकता है। दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बृथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरातफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम ना होना, नाम

की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना है। अधिकारियों का कहना है कि इसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ ही गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब आयोग के अधिकारी इसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रही है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। वैसे भी इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध रखता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचों केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। दरअसल, वर्तमान में दवा कारोबार मुनाफे की हवस की गिरफ्त में तो है ही, निजी चिकित्सकाल उद्योग रोगी पैदा करने और रोगी बनाए रखने का काम भी कर रहे हैं। इसलिए चिकित्सकों पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे दवा कारोबार की सेवा में लिप्त हैं। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि चिकित्सक ज्ञान तो निश्चित रूप से उच्च चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त करते हैं लेकिन चिकित्सा सेवा में आने के बाद उनके इस ज्ञान का अग्रहण दवा उद्योग कर लेते हैं। अतएव ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवाएं लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का व्यवसाय जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है।

एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ाने की दृष्टि से। किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है। इस अविश्वास के चलते ही अस्पतालों में चिकित्सक और रोगियों के परिजनों के बीच माफीपत बना लिया जाए तो दवा वितरण के विवाद सामने आ रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शीर्ष न्यायालय की डकैती और सामूहिक संहार जैसी टिप्पणियों को बेवजह की प्रतिक्रिया नहीं कहा जा सकता है।

एनएसडी के दौर से अपने बेबाक अंदाज और धमकेदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले पीयूष मिश्रा की एक किताब का नाम है- तुम्हारी औकात क्या है, पीयूष मिश्रा।

वहीं, अस्सी के दशक में नसीरुद्दीन शाह की चर्चित फिल्म आई थी- अल्वर्ट पिंोट को गुस्सा क्यों आता है। संयोग देखिए, आज दोनों कलाकारों के बीच चल रहे शब्द बाणों में जैसे इन दोनों शीर्षकों की झलक दिखाई दे रही है। एक तरफ दवाओं के बीच 2026 में शुरू हुआ सार्वजनिक जुवाना टकराव दिलचस्प सवालों का हिस्सा बन चुका है। पीयूष मिश्रा के धोबी पछाड़ से फिलहाल नसीर चित दिख रहे हैं। इस बीच चर्चा यह हो रही है कि दूसरों की अपराध पर सवाल उठाने वाला व्यक्ति जब खुद सवालों के घेरे में आए तो उसकी अपनी कसौटी क्या होगी?

विवाद की शुरूआत तब हुई थी जब नसीरुद्दीन शाह ने छात्र आंदोलन के मुद्दे पर बॉलीवुड के बड़े सितारों की चुप्पी पर सवाल खड़ा कर दिया था। उनके विचार

से मेल खाने वाले एक न्यूज डिजिटल प्लेटफॉर्म से बातचीत में उन्होंने कहा था कि रसेलेब्रिटीज तब बोलेंगे जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को कहेगा। एक कहावत है कि जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी हो, वह भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उसके मुंह से गिरेगी या उसके दांत टूटेंगे, तब वह भौकेगा।

यह टिप्पणी यहीं खत्म नहीं हुई। झारखंड के छात्र आंदोलन में पहुंचे पीयूष मिश्रा ने उसी रूपक को लपका था। पीयूष मिश्रा ने नसीरुद्दीन शाह से पलटकर सवाल किया था, नसीर साहब आपने कहा था कि जिनके मुंह में हड्डी होती है, वे बोल नहीं सकते, अब मैं पूछ रहा हूं कि वे दूसरे कुत्ते कौन हैं, जो चुप हैं?

यहीं से मामला सिर्फ दो अभिनेताओं की सहित दुनियाभर में सिम्त मछर की कसौटी पर बहस का मुद्दा बन गया।

को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

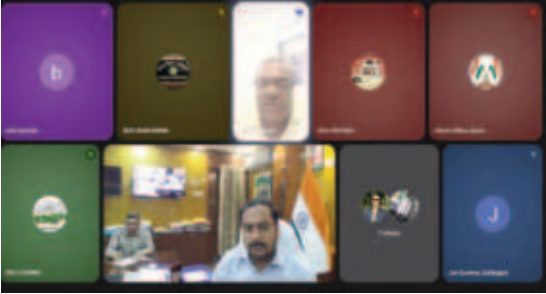
एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत पोर्टल पर लंबित गतिविधियों का विवरण अपलोड करने का निर्देश



साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आदि कर्मयोगी योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई । समेकित जनजातीय विकास अभिकरण द्वारा संबंधित प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को आदि कर्मयोगी पोर्टल पर लंबित अंकड़ों एवं गतिविधियों का विवरण अपलोड करने का निर्देश दिया गया है। जिले के विभिन्न प्रखंडों के गांवों में आदि कर्मयोगी अभियान संचालित किया गया था। इनमें से अब तक केवल कुछ ही गांवों की गतिविधियों का विवरण पोर्टल पर अपलोड किया गया है।जबकि शेष गांवों का विवरण अपलोड किया जाना लंबित है। इस संबंध में पूर्व में भी पत्र के माध्यम से आवश्यक निर्देश दिए गए थे।उपायुक्त ने निर्देश दिये की सभी संबंधित पदाधिकारियों को एक सलाह के भीतर निम्नलिखित गतिविधियों से संबंधित विवरण पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे।जिन स्थानों पर आदि सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैंउनकी तस्वीरें अपलोड करना। सभी गांवों के स्वयंसेवकों की प्रविष्टि करना, आयोजित ग्रामसभाओं की कार्यवाही का विवरण अपलोड करना,संचालित गतिविधियों के जियो-टैग युक्त फोटोग्राफ अपलोड करना,संबंधित प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी लंबित प्रविष्टियां एवं गतिविधियों का विवरण आदि कर्मयोगी पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। ताकि अभियान की प्रगति का समुचित अनुश्रवण एवं मूल्यांकन किया जा सके।मीके पर परियोजना निदेशक आर्दटीडीए संजय कुमार दास एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत प्रखंड कल्याण पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा दशहरा को लेकर नगर परिषद साहिबगंज अलर्ट, पूजा पंडालों व सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान तेज



साहिबगंज : नवरात्र, दुर्गा पूजा दशहरा पर्व के मद्देनजर नगर परिषद साहिबगंज द्वारा नगर क्षेत्र में स्वच्छता साफ-सफाई एवं संक्रमण से बचाव को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न पूजा पंडालों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रात्रि में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ ब्लॉकिंग पाउडर एवं चूना का छिड़काव कराया गया।पर्व के दौरान श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा आवश्यक साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कार्य किए जा रहे हैं।नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी श्री अभिषेक कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पर्व के दौरान नगर क्षेत्र की स्वच्छता एवं जनसुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण में पूजा-अर्चना एवं पर्वोत्सव में भाग ले सकें।नगर परिषद साहिबगंज की अपील।व्योहारों की खुशियां स्वच्छता के साथ मनाएं, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालें तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करें।

साहिबगंज में भर्ती-सह-निबंधन शिविर आयोजित आज होगा अभ्यर्थियों का चयन



साहिबगंज : श्रम नियोजन प्रशिक्षण कौशल विकास विभाग झारखंड के तत्वावधान में जिला नियोजनालय-सह-गॉडल कैरियर सेंटर साहिबगंज द्वारा एक दिवसीय भर्ती-सह-निबंधन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार ने किया।शिविर में दो निजी नियोजकों-फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एवं एयरटेल पेमेंट्स बैंक-ने भाग लिया। विभिन्न पदों के लिए आयोजित नियोजन प्रक्रिया में 10 अभ्यर्थियों का चयन, 15 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट तथा 16 युवक-युवतियों का झारनियोजन पोर्टल पर निबंधन किया गया। कार्यक्रम में 125 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जबकि युवाओं को आईटी लैब, पुस्तकालय, कैरियर काउंसलिंग एवं कौशल प्रशिक्षण की सुविधाओं की जानकारी देते हुए रोजगारप्रार कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला नियोजनालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे शिविरों के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास जारी रहेगा।

दुर्गा पूजा को लेकर मिर्जाचौकी थाना में शांति समिति की बैठक

साहिबगंज : आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मिर्जाचौकी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने की। बैठक में मंडरो प्रखंड क्षेत्र के सभी दुर्गा पूजा समितियों के सदस्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे।मीके पर मिर्जाचौकी थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह भी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा शांति और भाईचारे का त्योहार है।सभी पूजा समितियां प्रशासन का सहयोग करें।पूजा पंडाल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखें सीसीटीवी कैमरा लगाएं और भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था करें। उन्होंने डीजे पर प्रतिबंध और सरकारी गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया।वहीं मिर्जाचौकी थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने कहा कि पूजा के दौरान असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी।सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।किसी भी प्रकार की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

तीन महीने पहले अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की पूछताछ में दी जानकारी

बरहरवा आरपीएफ की एस्कॉर्ट टीम की सतर्कता से पकड़ा गया बांग्लादेशी

साहिबगंज जीआरपी में मामला दर्ज

संवाददाता

साहिबगंज : दिल्ली से गुवाहाटी जा रही ब्रह्मपुत्र मेल में अलार्म चैन खींचने की घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता से एक महत्वपूर्ण मामला सामने आया है। ट्रेन में पकड़े गए 26 वर्षीय युवक ने पूछताछ के दौरान खुद को बांग्लादेश का नागरिक बताया। आरपीएफ की पूछताछ में उसने कथित तौर पर करीब तीन महीने पहले असम के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और श्रीनगर में मजदूरी करने की जानकारी दी। मामले में साहिबगंज रेल थाना जीआरपी में 9 अक्टूबर 2026 को विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 ए ,बी के तहत कांड संख्या 32/2026 दर्ज किया गया है।

एसीपी के कारण ट्रेन रुकी, एस्कॉर्ट टीम ने युवक को पकड़ा
आरपीएफ से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 अक्टूबर 2026 को ट्रेन संख्या 15657 डाउन ब्रह्मपुत्र मेल रात करीब 9:02 बजे साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंची और 9:10 बजे रवाना हुई। इससे पहले करमटोला-साहिबगंज रेलखंड के किलोमीटर संख्या 234/22 के पास रात 8:51 से 8:55 बजे तक ट्रेन एक सामान्य श्रेणी के कोच में अलार्म चैन खींचे जाने के कारण रुकी थी। इस संबंध में ट्रेन के ड्यूटी मैनेजर ने मेमो-सह-एफआईआर संख्या 28/2026 जारी की। ट्रेन की एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कर्मियों ने संबंधित कोच में पहुंचकर जांच की। इस दौरान एक युवक मिला, जिसने पूछताछ में बताया कि वह दिल्ली से गुवाहाटी



जा रहा था और ट्रेन में सोते समय अचानक उसका हाथ एसीपी हैंडल से छू गया, जिससे ट्रेन रुक गई। पूछताछ के दौरान उसने बांग्लादेश का नागरिक होने की बात भी कही। बरहरवा आरपीएफ की टीम ने निर्भाई अहम भूमिका इस कार्रवाई में मालदा से ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ की टीम शामिल थी। उपलब्ध विभागीय विवरण के अनुसार, एएसआई सुरेश पासवान के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल अमरजीत कुमार, कांस्टेबल डीपी राय और कांस्टेबल अमित कुमार ट्रेन में सुरक्षा ड्यूटी कर रहे थे। एस्कॉर्ट टीम ने युवक को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए आरपीएफ पोस्ट बरहरवा को लिखित शिकायत के साथ सौंपा। इसके बाद अधिकार

क्षेत्र के अनुसार युवक को ट्रेन संख्या 13023 अप के माध्यम से आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज भेजा गया। 9 अक्टूबर की सुबह करीब तीन बजे साहिबगंज में ड्यूटी पर तैनात एएसआई बुधिराज उरांव ने उसे प्राप्त किया। मामले की आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया साहिबगंज में पूरी की गई। इस पूरे घटनाक्रम में बरहरवा आरपीएफ इंसपेक्टर के स्तर पर भी सहयोग की भूमिका रही। आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज के प्रभारी निरीक्षक समीरन चौधरी ने युवक से पूछताछ की और उसका बयान वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ दर्ज किया। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, युवक ने कथित तौर पर बताया कि वह जुलाई

2026 के आसपास बांग्लादेश से एक दलाल की मदद से असम स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। इसके लिए उसने कथित तौर पर 10 हजार रुपये दिए थे। उसने भारत आने का उद्देश्य मजदूरी करना बताया। पूछताछ में युवक ने यह भी बताया कि वह गुवाहाटी से ट्रेन के रास्ते दिल्ली होते हुए श्रीनगर पहुंचा था। वहां उसकी मुलाकात सफर अली नामक कबाड़ कारीबारी से हुई। जिसके यहाँ वह पिछले करीब तीन महीने से कबाड़ बीनने का काम कर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक युवक ने दावा किया कि हाल के दिनों में सफर अली श्रीनगर से चला गया था, जिसके बाद उसने वापस बांग्लादेश लौटने का निर्णय लिया। इसी क्रम में वह श्रीनगर से दिल्ली पहुंचा

शहरी जलापूर्ति योजना पर उठे सवाल 15 वार्ड पार्षदों ने सरकारी हलफनामे को बताया गलत

संवाददाता

साहिबगंज : शहर में शहरी जलापूर्ति योजना को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सरकार की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में योजना को पूर्ण बताते हुए जलापूर्ति शुरू होने का दावा किए जाने पर नगर परिषद के वार्ड पार्षदों ने सवाल उठाए हैं। पार्षदों ने सरकारी हलफनामे में किए गए दावों को जमीनी हकीकत से परे बताते हुए योजना के अधूरे कार्यों और नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत की है। इस संबंध में दो से आठ अक्टूबर 2026 के बीच कम से कम 15 वार्ड पार्षदों ने जन्हति याचिका के याचिकाकर्ता सिधेश्वर मंडल को लिखित प्रतिवेदन सौंपकर अपना पक्ष हाईकोर्ट के समक्ष रखने का आग्रह किया है। पार्षदों के अनुसार, शहर के कई वार्डों में अब तक पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा नहीं हुआ है। कई मोहल्लों में घर-घर कनेक्शन नहीं दिए गए हैं, जबकि जहां पाइपलाइन बिछाई गई है, वहां भी नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। कुछ क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद है, तो कहीं गंदा और बदबूदार पानी आने की शिकायत सामने आई है। इसके अलावा पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं होने से लोगों को आवागमन में भी परेशानी हो रही है। कई वार्डों में काम अधूरा लोगों को नहीं मिल रहा। पानी वार्ड संख्या तीन की पार्षद संजू देवी ने अपने

प्रतिवेदन में करीब 70 प्रतिशत कार्य लंबित होने की बात कही है। उन्होंने पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत नहीं होने, खुदी सड़कों को पूर्ववत नहीं किए जाने और शुरुआत से ही जलापूर्ति बंद रहने की शिकायत की है। वार्ड संख्या 28 की पार्षद पार्वती उरांव के अनुसार, उनके वार्ड में मात्र 10 प्रतिशत काम हुआ है, जबकि 90 प्रतिशत कार्य अभी शेष है। जबकि वार्ड संख्या 21 की पार्षद सीमा देवी ने बताया कि लगभग 90 प्रतिशत कार्य अधूरा है। जहां कुछ काम हुआ भी है, वहां पानी नहीं पहुंच रहा है। पोंखरिया और शांतिनगर सहित कई क्षेत्रों में कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। वहीं, वार्ड संख्या 27 की पार्षद अंजली कुमारी के अनुसार, उनके वार्ड में करीब 20 प्रतिशत काम ही हुआ है। कभी-कभार होने वाली जलपूर्ति भी अब बंद हो गई है।वार्ड संख्या 11 के पार्षद रंजीत प्रसाद साह ने कहा है कि उनके वार्ड के लगभग 50 प्रतिशत हिस्से में पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है। जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाई गई है, वहां भी कभी-कभार ही पानी आता था, लेकिन फिलहाल आपूर्ति बंद है। वार्ड संख्या 13 की पार्षद बुशरा तहरमी ने अपने प्रतिवेदन में कहा है कि लगभग 50 प्रतिशत घरों तक ही पानी पहुंचा था, वह भी करीब दो महीने से बंद है।हबीबपुर पाइप रोड क्षेत्र में अब तक पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची है। कई मोहल्लों में पाइपलाइन और कनेक्शन का

अभाव

वार्ड संख्या 17 की पार्षद सुनीता देवी ने विस्तृत प्रतिवेदन सौंपकर कई इलाकों की समस्याओं को सामने रखा है।उनके अनुसार,कॉलेज रोड स्थित एनआरपी सेंटर से टमटम स्टैंड तक के आबादी वाले क्षेत्र और अलीनगर में काम नहीं हुआ है। चौधरी कॉलोनी में करीब 200 फीट पाइपलाइन बिछाने के बाद काम छोड़ दिया गया,जबकि शास्त्री नगर में 50 प्रतिशत से भी कम काम हुआ है। कमलटोला में पाइपलाइन बिछाने के बावजूद पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है।चैती दुर्गा स्थान के आसपास खुदाई के बाद सड़क और नालों को भी पूर्ववत नहीं किया गया है। वार्ड संख्या 20 की पार्षद दीपा देवी ने शिकायत की है कि उनके पूरे वार्ड में पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है। मुख्य सड़क पर बिछाई गई पाइपलाइन से पानी बहता रहता है, लेकिन घर-घर कनेक्शन नहीं दिया गया है।वार्ड संख्या 24 की पार्षद दुलारी देवी ने भी अपने वार्ड में पाइपलाइन नहीं बिछाए जाने का मुद्दा उठाते हुए सवाल किया है कि जब पाइपलाइन ही नहीं है,तो जलापूर्ति कैसे संभव होगी।वार्ड संख्या दो के पार्षद सुशील भरतिया ने भी योजना का काम अधूरा होने और बड़े हिस्से में पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू नहीं किए जाने की शिकायत की है।वार्ड संख्या आठ की पार्षद रेशमी चोखानी ने कई क्षेत्रों में कनेक्शन लंबित रहने,पाइपलाइन की मरम्मत की जांच नहीं होने

और सड़कों की मरम्मत अधूरी रहने की बात कही है। वार्ड संख्या 14 के पार्षद अमित कुमार साह के अनुसार,कई गलियों में पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है और घरों में कनेक्शन भी नहीं दिए गए हैं। पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत भी ठीक से नहीं हुई है। गंदे पानी और अनियमित आपूर्ति की भी शिकायत वार्ड संख्या छह के पार्षद शेखर कुमार पासवान ने बताया कि उनके वार्ड में कभी-कभी दो से चार मिनट तक पानी आता है,जो गंदा और बदबूदार होता है।उन्होंने जांच के लिए भेजे गए सचिव की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि निरीक्षण महज पांच से दस मिनट में औपचारिकता के तौर पर पूरा कर लिया गया।वार्ड संख्या 12 की पार्षद हिना प्रियंगु और वार्ड संख्या 15 के पार्षद मो. नजरूल बारी ने भी जलापूर्ति व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।दोनों के अनुसार, रांची से आए चेंज ऑफिसर के दौरे के समय ही पानी की आपूर्ति कराई गई थी।इसके बाद छह अक्टूबर तक नियमित जलापूर्ति नहीं हुई।उन्होंने करीब 40 प्रतिशत कार्य अधूरा या त्रुटिपूर्ण रहने,कई स्थानों पर काम शुरू नहीं होने और सड़कों की दयनीय स्थिति की शिकायत की है।आभार की संग्रह अभियान चलाए जाने के बावजूद लोगों को योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिलने की बात भी कही गई है।

साहिबगंज और राजमहल में शहरी नदी प्रबंधन को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता
साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में शहरी नदी प्रबंधन योजना को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गंग मौजूद रहे। बैठक में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स और के प्रतिनिधियों ने साहिबगंज व राजमहल के संदर्भ में योजना के विभिन्न पहलुओं प्रस्तावित हस्तक्षेपों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।बैठक का मुख्य उद्देश्य शहरी विकास और गंगा नदी के संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करते हुए दोनों शहरों में बाढ़ प्रबंधन, जल निकासी, अपशिष्ट जल के निस्तारण तथा जल संसाधनों के प्रभावी उपयोग से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श करना था। इस दौरान नदी के प्राकृतिक स्वरूप एवं पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई।प्रस्तुतीकरण में गंगा के उच्चतम बाढ़ स्तर को ध्यान में रखते हुए शहरी नियोजन एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। साहिबगंज एवं राजमहल जैसे गंगा तटवर्ती शहरों में बाढ़ के दौरान संभावित प्रभावों को कम करने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने तथा नदी के जलस्तर में मौसमी बदलावों को ध्यान में रखकर विकास संबंधी गतिविधियों की



योजना बनाने के महत्व पर विचार किया गया। इसके साथ ही, नदी के प्राकृतिक प्रवाह एवं तटवर्ती क्षेत्रों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित और दीर्घकालिक शहरी विकास की आवश्यकता पर बल दिया गया।बैठक में शहरों से निकलने वाले नालों के प्रबंधन तथा उनके माध्यम से गंगा नदी में पहुंचने वाले अपशिष्ट जल के नियंत्रण पर भी चर्चा हुई। नालों की वर्तमान स्थिति, जल

निकासी व्यवस्था में सुधार तथा अनुपचारित अपशिष्ट जल को सीधे नदी में जाने से रोकने के लिए आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। इस संदर्भ में सीवेज के समुचित संग्रहण, उपचार व्यवस्था के बेहतर उपयोग तथा नदी में प्रदूषण के भार को कम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।वर्षा ऋतु के दौरान शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी वर्षा जल

प्रबंधन विकसित करने पर भी चर्चा की गई। वर्षा जल के प्राकृतिक प्रवाह को बनाए रखने, जल निकासी तंत्र को बेहतर बनाने तथा जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों में उपायुक्त अप्रबंधन उपाय अपनाने की संभावनाओं पर विचार किया गया। साथ ही, वर्षा जल के संचयन एवं उसके उपयोग की संभावनाओं को शहरी जल प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर भी ध्यान दिया

और वहां से गुवाहाटी के लिए टिकट लेकर ब्रह्मपुत्र मेल में सवार हुआ था। मोबाइल से दिखाई पहचान तलाशी में मिले कई सामान

आरपीएफ की रिपोर्ट के अनुसार, युवक के पास भारत में रहने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। उसने मोबाइल फोन में मौजूद बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र की तस्वीर दिखाकर अपनी नागरिकता का दावा किया। उसकी पहचान और दस्तावेजों की स्वतंत्र पुष्टि जांच का महत्वपूर्ण विषय है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पुराना सैमसंग मोबाइल फोन, बिना सिम कार्ड के दो कीपैड मोबाइल फोन, 100 रुपये मूल्य का एक पाकिस्तानी मुद्रा नोट, एक नेपाली मुद्रा नोट और दिल्ली से गुवाहाटी का यात्रा टिकट बरामद किया गया। विभागीय विवरण में सैमसंग मोबाइल में एक सिम कार्ड होने की बात भी दर्ज है।

जीआरपी में मामला दर्ज आगे की जांच जारी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद युवक को आवश्यक कार्रवाई के लिए साहिबगंज जीआरपी को सौंप दिया गया। जीआरपी साहिबगंज ने 9 अक्टूबर 2026 को कांड संख्या 32/2026 दर्ज किया। मामला विदेशी अधिनियम1946 की धारा 14 ए,बी के तहत दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई है। यह मामला रेलवे में नियमित सुरक्षा जांच के दौरान सामने आया जिसमें एसीपी की घटना के बाद युवक की पहचान और भारत में प्रवेश से जुड़े कथित तथ्यों की जांच शुरू हुई। अब जांच के दौरान उसके बताए गए रास्ते पहचान संबंधी दस्तावेजों और अन्य दावों की पुष्टि किया जाना महत्वपूर्ण होगा।

एफजेसीसीआई विवाद राजेश अग्रवाल के बयान पर आकाश पांडेय का पलटवार

साहिबगंज : एफजेसीसीआई संचाल परन्ना प्रमंडल के उपाध्यक्ष आकाश पांडेय ने ईस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के बयान पर पलटवार किया है।आकाश पांडेय ने बयान जारी कर कहा कि एफजेसीसीआई का चुनाव लड़ने के लिए किसी लोकल चैंबर का सदस्य होना अनिवार्य नहीं है।उन्होंने बताया कि वह फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज रांची के अजीवन सदस्य है और इसी आधार पर उन्होंने उपाध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था।आकाश पांडेय ने कहा कि 8 अक्टूबर की शाम राजेश अग्रवाल ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनकी सदस्यता को लेकर जो टिप्पणी की,उससे उन्हें दुख पहुंचा है।उन्होंने राजेश अग्रवाल को अपना बड़ा भाई और अनुभवी बताते हुए कहा कि चुनाव में हार-जीत लगी रहती है। सदस्यों ने आशीर्वाद देकर उन्हें उपाध्यक्ष चुना है,इसलिए इस निर्णय का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में पराजय के बाद अपने ही उपाध्यक्ष पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना उचित नहीं है।

गया बैठक में उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित जल का उपयोग उद्यानों की सिंचाई, हरित क्षेत्रों के रखरखाव तथा अन्य उपयुक्त गैर-पेय कार्यों में करने से स्वच्छ जल की मांग को कम किया जा सकता है। इससे जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के साथ-साथ उपचारित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग को बढ़ावा देने और गंगा में प्रदूषण को धार को कम करने में सहायता मिल सकती है।बैठक में इन सभी पहलुओं को एकीकृत दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता पर चर्चा की गई, ताकि शहरी जल निकासी, बाढ़ प्रबंधन, सीवेज उपचार तथा जल के पुनः उपयोग से संबंधित उपायों को गंगा नदी के संरक्षण के साथ जोड़ा जा सके। साहिबगंज एवं राजमहल में शहरी नदी प्रबंधन योजना के माध्यम से नदी और शहर के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रबंधन की दिशा में कार्य करने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।मीके पर जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला प्रशुत अभियंता शंभू नाथ चौधरी, नगर प्रशासक साहेबगंज अभिषेक कुमार सिंह, राजमहल नगर पंचायत प्रशासक दानिश हुसैन, समेत अन्य उपस्थित थे।

भागलपुर के खरीक प्रखंड में बड़ा हादसा

गंगा के भीषण कटाव से 300 मीटर रेलवे बांध ध्वस्त, गांवों में मची अफरा-तफरी

एजेंसी

भागलपुर, 1 बिहार में भागलपुर जिले के खरीक प्रखंड अंतर्गत राघोपुर में शुक्रवार की रात एक बड़ा हादसा हो गया, जहां उपनदी गंगा नदी के भीषण कटाव के कारण ब्रह्म बाबा स्थान के पास रेलवे बांध पूरी तरह ध्वस्त हो गया।

हनुमान मंदिर से लेकर ब्रह्म बाबा स्थान तक करीब 300 मीटर के दायरे में बांध ताश के पत्तों की तरह ढह गया, जिससे आसपास के ग्रामीण इलाकों में अचानक हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई। घटना शुक्रवार देर रात की है, जब अचानक मिट्टी धंसने की खोफनाक आवाज के साथ बांध



का एक विशाल हिस्सा गंगा नदी की तेज धारा में विलीन हो गया। संभावित बाढ़ और तबाही के

खतरे को देखते हुए शंकरपुर और अलालपुर गांव के लोग आधी रात को ही अपने घरों को छोड़कर

सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। नदी का पानी अब सीधे रेलवे लाइन और तटबंध के

निचले हिस्सों से टकरा रहा है, जिससे रेल परिचालन और स्थानीय आबादी पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। कई पक्के मकान और झोपड़ियां भी इस भीषण कटाव की चपेट में आकर नदी में समा गई हैं। बांध टूटने की गंभीर सूचना मिलते ही नवगछिया के एसपी वैभव शर्मा और एसडीएम के परीक्षित तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और देर रात ही जोखिम वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू कराया।

जल संसाधन विभाग और बाढ़ निर्वंत्रण प्रमंडल की पूरी टीम मुख्य अभियंता की निगरानी में मौके पर कैंप कर रही है। बचे हुए तटबंध को सुरक्षित करने और

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए युद्धस्तर पर फ्लड फाइटिंग का कार्य किया जा रहा है। इस बीच, बांध ध्वस्त होने के बाद स्थानीय राजनीति और जनआक्रोश भी बढ़ गया है। ग्रामीणों के अनुसार, बांध पर चल रहे कटाव निरोधी कार्य की गुणवत्ता को लेकर बीती 4 सितंबर को सरपंच प्रमोद मंडल ने आमरण अनशन किया था।

उस दौरान कथित तौर पर पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र ने आश्वासन दिया था कि यदि बांध टूटता है, तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। अब बांध पूरी तरह टूट जाने के बाद मंत्री के इस पुराने बयान को लेकर पूरे इलाके में चर्चा और आक्रोश का माहौल है।

प्रधानमंत्री व अन्य ने लोगों को दी शुभ महालया की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत अनेक नेताओं ने शनिवार को शुभ महालया के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, इस पावन अवसर हम मां दुर्गा का आशीर्वाद चाहते हैं। उनका आशीर्वाद हमारे समाज को शुश्रियों, करुणा और उम्मीद से भर दे। चारों ओर शांति और समृद्धि हो।

अमित शाह ने कहा कि मां दुर्गा का आशीर्वाद हर जीवन को असीम आनंद, सुख-समृद्धि और खुशहाली से भर दे। पितृ पक्ष की समाप्ति और देवी पक्ष की शुरुआत के इस संक्रमण पर, महालया के दिन माँ दुर्गा के आगमन का संदेश गूंजता है। माँ के आशीर्वाद से हर जीवन असीम आनंद, खुशी और समृद्धि से परिपूर्ण हो।

केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि माँ दुर्गा का आशीर्वाद



हमेशा हम पर बना रहे और हमारे जीवन में खुशियों, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाएं। शुभ महालय! उल्लेखनीय है कि महालया सनातन धर्म और विशेष रूप से बंगाली समुदाय में मनाया जाने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण और शुभ अवसर है। यह आश्विन मास की अमावस्या तिथि को होता है।

ट्रंप की घोषणा– वैश्विक कीमतों को कम करने के लिए रूस दुनिया को लाखों टन डीजल देने पर सहमत

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि रूस आगामी कुछ महीनों में दुनिया को लाखों टन डीजल ईंधन उपलब्ध कराने पर सहमत हो गया है। इसका मकसद तेजी से बढ़ती वैश्विक कीमतों को कम करना है। राष्ट्रपति ने शुक्रवार शाम ट्थ सोशल पर कहा कि उन्होंने अभी-अभी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की है। वो 3,00,000 टन डीजल जारी करने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि नवंबर में 5,00,000 टन और डीजल जारी किया जाएगा और उसके बाद दिसंबर में 1 मिलियन टन जारी किया जाएगा।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, रइसके अलावा रूस अपनी डीजल रिफाइनरियों की स्थिति के आधार पर कुछ ही समय में 30,00,000 टन डीजल ईंधन की आपूर्ति करेगा। उधर, ट्रेजरी विभाग ने भी



शुक्रवार को घोषणा की कि वह रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा देगा ताकि वैश्विक बाजार में रूसी डीजल की आपूर्ति हो सके। शुक्रवार को बाद में क्रेमलिन बयान में कहा कि पुतिन ने पुष्टि की कि उन्होंने और ट्रंप ने फोन पर बात की। पुतिन ने कहा कि रूस ने अमेरिकी और वैश्विक बाजारों

में तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने की अपनी तत्परता की पुष्टि की और भरोसा जताया कि इसका पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पुतिन के बयान में कहा गया, रइदोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच व्यक्तिगत संपर्क जारी रखने, साथ ही राष्ट्रपति प्रशासन, विशेष सेवाओं और अन्य एजेंसियों के बीच सहयोग बनाए रखने पर सहमति की पुष्टि की गई। र बयान में कहा गया कि पुतिन और ट्रंप की बातचीत में रयूक्रेन संकट को सुलझाने की संभावनाओं, ईरान से जुड़ी स्थिति और द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस समझौते की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि रूस पर लगे प्रतिबंधों में कोई भी ढील कमजोरी है। जेलेंस्की ने पोस्ट में कहा,

पुतिन को दिए जाने वाले तोहफे सभ्य दुनिया के फायदेमंद नहीं होंगे। रूस डीजल का बदला और आतंक और धोखे से चुकाएगा। रूस को पेट्रोलियम प्रोडक्ट बेचने की इजाजत देना एक ऐसी जंग में निवेश करना है जिसे खत्म किया जाना चाहिए, न कि लंबा खींचा जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि रूस के साथ आपसी आधार पर तनाव कम किया जाए।

ट्रंप प्रशासन के ये कदम उन कड़े प्रतिबंधों को पलटने वाले हैं जिन्होंने 2022 में पुतिन द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला करने के बाद से रूस की अर्थव्यवस्था को सीमित कर रखा था। पिछले महीने ट्रंप ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका मकसद रूसी एनर्जी के सबसे बड़े खरीदारों पर भारी टैरिफ लगाकर रूस के लिए तेल और गैस एक्सपोर्ट से मुनाफा कमाना और मुश्किल बनाना था।

देश को अस्थिर करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं होगी : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल लोकतांत्रिक जनादेश को स्वीकार करने के बजाय देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। नवीन ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता शांति और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही है, लेकिन विपक्ष को भारत की तरक्की और उन्नति रास नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि देश को अस्थिर करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नितिन नवीन ने शनिवार को दिए बयान में कहा कि देश में दो ऐसे राजनीतिक गुट सक्रिय हैं, जो अराजकता की प्रतिसर्था में लगे हैं। एक गुट का नेतृत्व राहुल गांधी



के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन कर रहा है, जबकि दूसरे गुट में अरविंद केजरीवाल के सहयोगी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जनता विपक्ष के इन प्रयासों को देख रही है और लोकतंत्र में जनादेश का सम्मान करना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है।

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि देश को अस्थिर करने की कोशिशों के पीछे राजनीतिक उद्देश्यों के साथ विदेशी ताकतों का भी हाथ है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक संकटों के बावजूद नेतृत्व में देश को तराफ पर आगे बढ़ रहा है और आत्मनिर्भर तथा सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विपक्ष को यह

प्रगति स्वीकार नहीं हो रही है।

नवीन ने कहा कि भारत के लोकतंत्र और देशभक्त जनता की ताकत विपक्ष के ऐसे मंसूखों को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि संविधान और लोकतंत्र के नाम पर झूठ फैलाकर जनादेश को चुनौती देना जनता का अपमान है। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश को भय के माहौल से बाहर निकालने, आतंकवाद पर अंकुश लगाने और नक्सलवाद को समाप्त करने के प्रयास किए गए हैं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अब भी अर्बन नक्सल मानसिकता के जरिए देश को अस्थिर करने में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन के नेताओं की भाषा तथा संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उनका रवैया देश की जनता देख रही है।

भारत का युवा संविधान, लोकतंत्र और भारतीय संस्कृति के प्रति प्रतिबद्ध है और वह इस तरह की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि लगातार चुनावी हार से उपजी निराशा के कारण विपक्ष देश में तनाव का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर ऐसी कोशिशों का जवाब देंगे। नवीन ने भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के विकास की गति बनाए रखने और जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश के भीतर या बाहर सक्रिय ऐसी सभी ताकतों से सख्ती से निपटा जाएगा, जो भारत की शांति, स्थिरता और विकास को बाधित करने का प्रयास करेंगी।

नेपाली कांग्रेस के सभापति चुने गए गगन थापा, श्याम कृष्ण खड्गी को बड़े अंतर से हराया



काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के 15वें महाधिवेशन में गगन थापा पार्टी के सभापति निर्वाचित हुए हैं। थापा को 6,584 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी श्याम कृष्ण खड्गी को 375 वोट प्राप्त हुए। महाधिवेशन के मीडिया सेंटर के सदस्य महेश गौतम के अनुसार, शुक्रवार देररात काठमांडू स्थित राष्ट्रीय सभा गृह में मतगणना शुरू हुई, जो शनिवार सुबह पूरी हुई। निर्वाचन समिति के मुताबिक, महाधिवेशन में कुल 7,317 प्रतिनिधियों में से 7,039 ने मतदान किया। इनमें से 54 मतपत्र अवैध घोषित किए गए। पार्टी सभापति पद के अलावा अन्य पदों के लिए पड़े मतपत्रों को मतगणना के लिए पार्टी के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा ले जाया गया है। इन पदों की मतगणना अभी की जानी है।

डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र में मां-बेटे की बेरहमी से हत्या, बेटी गंभीर रूप से घायल

डोंगरगढ़/रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चौथना में घर के अंदर घुसकर मां और बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस जानलेवा हमले में परिवार की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसे इलाज के लिए रायपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से हमला कर कमला सोनकर (मां) और हितेंद्र सोनकर (बेटे) को मौत के घाट उतार दिया। वहीं, बेटी ममता सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका उपचार रायपुर के डीकेएस अस्पताल में जारी है।

इस सनसनीखेज वारदात के बाद से पूरे इलाके में दहशत और हड़कंप का माहौल है। इस

खोफनाक वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना 9 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8:30 से 9:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। घटना के वक्त मृतका कमला सोनकर का पति घर से बाहर था। प्रारंभिक जानकारी में इस वारदात के पीछे पारिवारिक रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने आधिकारिक तौर पर अभी तक किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी या नाम का खुलासा नहीं किया है। डीएसपी सुमन जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस की टीमें लगातार साक्ष्य जुटा रही हैं।

मप्र: तीन दुर्लभ संयोग में सर्वपितृ अमावस्या आज, शिप्रा-नर्मदा घाटों पर उमड़े श्रद्धालु

● गजछाया योग में पितरों का तर्पण-श्राद्ध, उज्जैन के सिद्धवट पर रात से जुटे लोग

भोपाल /उज्जैन /नर्मदापुरम। सर्वपितृ अमावस्या पर आज शनिवार को मध्य प्रदेश के शिप्रा और नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। उज्जैन में गजछाया योग सहित तीन विशेष संयोगों के बीच श्रद्धालुओं ने पितरों के निमित्त तर्पण, श्राद्ध और पूजन किया। सिद्धवट घाट पर रात से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। वहीं, त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर में शनिश्चरी अमावस्या के चलते आधी रात से दर्शन के लिए कतारें लग गईं। नर्मदापुरम के सेवानी घाट सहित नर्मदा के दूसरे घाटों



पर भी शुक्रवार रात से श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सर्वपितृ अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण और श्राद्ध करने का विशेष महत्व है। जो लोग पितृपक्ष के अन्य दिनों में श्राद्ध नहीं कर पाते,

वे इस दिन अपने पितरों के निमित्त कर्मकांड करते हैं। इस बार शनिवार, अमावस्या और गजछाया योग के संयोग को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा।

उज्जैन के सिद्धवट घाट पर सुबह पांच बजे से ही बड़ी संख्या

में श्रद्धालु पितरों के निमित्त तर्पण और पूजन के लिए पहुंचने लगे। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने चार पहिया वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की। मंगलनाथ से भैरवगढ़ और भैरवगढ़ से सिद्धवट जाने वाले मार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद किया गया, ताकि घाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। पंडित वृजकुमार के अनुसार, श्राद्ध पक्ष में अलग-अलग ग्रहों और नक्षत्रों के संयोग बनते हैं। इस बार अमावस्या शनिवार को होने के साथ गजछाया योग का संयोग भी है।

कार और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर में पुलिसकर्मी समेत 2 लोगों की मौत

रायपुर । रायपुर के खरोरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कार और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर में पुलिसकर्मी समेत 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। ट्रैक्टर चालक फरार है। खरोरा थाना पुलिस ने जानकारी दी है कि कार में पुलिसकर्मी कमलेश वर्मा, रूपेश निषाद और गोपी सवार थे। तीनों तरा गांव के रहने वाले थे । आरक्षक कमलेश वर्मा छुट्टी पर थे और अपने दोस्तों के साथ कार से रायपुर घूमने आए थे। रात में वापस खरोरा लौटते समय सारागाव और बरौंडा के बीच चैती तालाब के पास विपरीत दिशा से आ रहे भूसे से लदे एक ट्रैक्टर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार के पक्खच्चे उड़ गए। फार सवार कमलेश वर्मा और रूपेश निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गोपी गंभीर रूप से घायल हो गया और कार में फंसा रहा। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल को बाहर निकाला और तुरंत पुलिस को सूचना दी। उसे लक्ष्मीनारायण अस्पताल, दौंदकला में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। खरोरा थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाला पुलिसकर्मी सिलतरा थाने में पदस्थ था। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है।

मुरादाबाद रेल मंडल में संचालित 21 ट्रेनें आज रहेंगी रद्द

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि 10 अक्टूबर को सेंट्रल दिल्ली में प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन और ट्रैफिक एडवाइजरी के कारण, मुरादाबाद रेल मंडल में संचालित इक्कीस रेलगाड़ियां को रद्द किया गया है। वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने आगे बताया कि रेलगाड़ी संख्या 12056 (देहरादून- नई दिल्ली जगशताब्दी एक्सप्रेस), 12229 (लखनऊ-नई दिल्ली मेल), गाड़ी संख्या 12429 (लखनऊ- नई दिल्ली सुपरफास्ट), 12230 (नई दिल्ली- लखनऊ मेल) जैसीओ आज 10 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। रेलगाड़ी संख्या 12430 (नई दिल्ली-लखनऊ सुपरफास्ट) और रेलगाड़ी संख्या 15303 (कासगंज-नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस) जैसीओ आज निरस्त रहेगी। इसके अलावा सीनियर डीसीएम महेश यादव ने आगे बताया कि रेलगाड़ी संख्या 64567, 54307, 54075, 54076, 64568, 54308, 14306, 14303, 14304, 14305, 54075, 54076, 15304, 54307, 12055 व 54307 आज निरस्त रहेगी।

बीस साल पहले लिए देहदान के संकल्प को परिवार ने किया पूरा, मेडिकल कॉलेज को सौंपा पार्थिव शरीर



कानपुर। चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए देहदान करना समाज

के प्रति महत्वपूर्ण योगदान है। इसी भावना के साथ उन्नाव निवासी 82 वर्षीय सिद्धनाथ श्रीवास्तव की पार्थिव देह शुक्रवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को समर्पित की गई। उन्होंने वर्ष 2006 में देहदान का संकल्प लिया था, जिसे दो दशक बाद उनके परिजनों ने पूरा किया। युग दर्शीच देहदान महायज्ञ के अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने बताया कि सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने देहदान होने के बाद उनके नाती त्रुषि श्रीवास्तव ने देहदान के लिए संपर्क किया था। एबी नगर, कॉलेज रोड, उन्नाव निवासी सिद्धनाथ श्रीवास्तव पूर्व आयकर अधिकारी, अधिवक्ता और वरिष्ठ गायत्री साधक थे। गुरुवार शाम कानपुर के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया था।। इसके बाद उनके नाती त्रुषि श्रीवास्तव ने अभियान प्रमुख मनोज सेंगर से संपर्क कर देहदान की प्रक्रिया पूरी कराने का आग्रह किया। आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जाने के बाद शुक्रवार सुबह मेडिकल कॉलेज के वाहन से उनकी पार्थिव देह जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग पहुंचाई गई। वहां सम्मानपूर्वक देहदान की प्रक्रिया पूरी की गई। युग दर्शीच देहदान महायज्ञ के तहत यह 327वां देहदान रहा। अभियान की महासचिव माधवी सेंगर ने बताया कि सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने वर्ष 2006 में ही देहदान का संकल्प ले लिया था। उनके निधन के बाद परिजनों ने इस संकल्प को निभाते हुए चिकित्सा शिक्षा के लिए उनकी पार्थिव देह दान की। इससे भावी चिकित्सकों को अध्ययन और प्रशिक्षण में सहायता मिलेगी। दिवंगत सिद्धनाथ के नाती त्रुषि श्रीवास्तव ने बताया कि उनके नाता गायत्री परिवार से गहराई से जुड़े थे। उन्होंने गायत्री परिवार के विराट अश्वमेध यज्ञों में सक्रिय भागीदारी की थी और गायत्री शक्तिपीठ, उन्नाव में भी लगातार सेवाएं देते रहे। उनके जीवन में धार्मिक आस्था और सेवा का विशेष महत्व था। मेडिकल कॉलेज में देह समर्पण के दौरान परिवार की बहु-बेटियों ने आरती उतारी और मंत्रोच्चार के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। इस मौके पर मनोज सेंगर और माधवी सेंगर के अलावा दिवंगत की बेटी शशिबाला, दामाद आनंद श्रीवास्तव, बेटे शिव सागर श्रीवास्तव, नाती त्रुषि श्रीवास्तव और यश श्रीवास्तव, छोटे भाई जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव और लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव मौजूद रहे। गायत्री परिवार की ओर से सुरेश कुमार मिश्रा और सत्येंद्रनाथ गुप्ता सहित बड़ी संख्या में परिजन भी उपस्थित रहे।

चलती कार में लगी भीषण आग, चालक की जिंदा जलकर मौत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सफ्फदरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। चलती टाटा टियागो कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि चालक को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और उसकी जिंदा जलकर मौत हो गई। देखते ही देखते पूरी कार आग की लपटों में घिर गई और जलकर राख हो गई। जानकारी के मुताबिक, बाराबंकी के प्यारेपुर निवासी प्रदीप कुमार लखनऊ एयरपोर्ट से सवारियों को बाराबंकी छोड़कर वापस लौट रहा था। इसी दौरान शुक्रवार रात करीब 1:30 बजे सफ्फदरगंज थाना क्षेत्र में उसकी कार आग की चपेट में आ गई। रात का समय होने के कारण तत्काल किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। शनिवार सुबह करीब छह बजे राहगीरों की नजर जली हुई कार पर पड़ी तो हादसे का भयावह मंजर सामने आया। मौके पर पहुंचने लोगों ने देखा कि कार पूरी तरह जल चुकी थी और चालक की जली हुई हड्डियां सीट पर पड़ी थीं। इसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।पुलिस ने कार के पंजीकरण नंबर के आधार पर मृतक की पहचान प्रदीप कुमार के रूप में की।

सनी उरांव के बेहतर प्रयास से कर्मियों को मिलने लगा है नियमित वेतन

चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सनी उरांव के कारगर पहल और बेहतर प्रयास का ही यह परिणाम है कि सफाई कर्मियों और कर्मियों को नियमित वेतन का भुगतान स समय और बेहतर ढंग से किया जा रहा है अध्यक्ष श्री उरांव के बेहतर और उत्कृष्ट सकारात्मक सोच और पहल का ही यह परिणाम है कि वर्तमान समय में सभी कर्मियों को नियमित और सुलभ तरीके से वेतन भुगतान कर उन्हें काफी राहत पहुंचाया जा रहा है अध्यक्ष श्री उरांव ने बताया कि नगर परिषद के सफाई कर्मियों और कर्मियों को छठ महा पर्व के पहले एक साथ दो महीनो के वेतन भुगतान एक साथ किए जाएंगे जिससे कि सभी कर्मियों को राहत और सुविधा के साथ वेतन सुलभ तरीके से मिल सके विदित हो कि नगर परिषद के अध्यक्ष श्रीराम के बेहतर और सकारात्मक प्रयास और पल के फल स्वरुप अब चक्रधरपुर नगर परिषद की दशा और दिशा दोनों सुधरी है और सुविधाओं में बेहतर इजाफा भी हुआ है नगर परिषद के अध्यक्ष श्री उरांव के बेहतर और सकारात्मक पहल का ही या परिणाम है कि अब सफाई कर्मियों और कर्मियों को बेहतर और सुलभ तरीके से वेतन सहजता पूर्वक उपलब्ध कराया जा रहा है जिसका निश्चित तौर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री उरांव को इसका श्रेय जाता है और इसके लिए वह बधाई के पात्र भी हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की प्रगति का प्रमंडलीय आयुक्त ने लिया जायजा



मेदिनीनगर : विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से संबंधित अभिलेखों के अंकीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए पलामू प्रमंडल की आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय ने राजकीयकृत उ्क्रमित मध्य विद्यालय, सिकनी, चंदवा, लातेहार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लातेहार के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री संदीप कुमार भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अभिलेखों के अंकीकरण कार्य की वर्तमान स्थिति, अब तक पूरे किए गए कार्यों तथा शेष कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों से कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए अंकीकरण प्रक्रिया में आ रही समस्याओं तथा कार्य निष्पादन की गति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। आयुक्त ने निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित अभिलेखों एवं आंकड़ों का अंकीकरण पूरी सावधानी के साथ किया जाए, ताकि आंकड़ों की प्रविष्टि में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने कार्य की नियमित निगरानी करने, लॉबित कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि अंकीकरण कार्य में गुणवत्ता, शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्यों का निष्पादन करें। साथ ही, मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

दुर्गा पूजा एवं रावण वध को लेकर प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

सारण : आगामी दुर्गा पूजा, रावण वध एवं प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक श्री रोशन कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य शामिल हुए। बैठक में पूजा पंडालों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, पर्याप्त रोकथाम, सड़क मरम्मत तथा ब्रह्मालुओं की सुविधाओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों को सभी पूजा पंडालों का लाइसेंस, आयोजकों का सत्यापन, सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग और पुलिस गश्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने तथा पंडालों का संयुक्त निरीक्षण करने पर जोर दिया। साथ ही, अश्लील एवं आपत्तिजनक गानों पर रोक लगाने, जुलूस मार्गों की मरम्मत और जनसुविधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। जिले में प्रस्तावित लगभग 1,100 प्रतिमाओं के दस्तावेजीकरण तथा मेला स्थलों के लिए आवश्यक अनुमति सुनिश्चित करने को भी कहा गया। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

सुरक्षित शनिवार के तहत छात्राओं ने चित्रों के माध्यम से दिया भीड़ से बचाव एवं सुरक्षा का संदेश



चरपोखरी : स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका प्लस-टू विद्यालय, चरपोखरी के कला प्रेक्षागृह में सुरक्षित शनिवार गतिविधि के अंतर्गत कला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं ने दशहरा, छठ पर्व, ग्रामीण मेले और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा से संबंधित विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। चित्रों के माध्यम से भीड़ में सुरक्षित रहने तथा संभावित दुर्घटनाओं से बचने का संदेश दिया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने छात्राओं के प्रयासों को सराहना करते हुए कहा कि कला हमारी सोच और समझ को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। सुरक्षित शनिवार और कला गतिविधि को एक साथ जोड़ना सराहनीय एवं प्रशंसनीय पहल है। संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार ने कहा कि छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से लोकजीवन, त्योहारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क रहने का संदेश दिया है। वहीं, कला शिक्षक रोशन राय ने कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के कौशल विकास, नवाचार और वैचारिक समझ को मजबूत करती हैं। कार्यक्रम में जिया कुमारी, गुलशन कुमारी, मुस्कान कुमारी, नंदनी कुमारी, दिव्या कुमारी, अंजली कुमारी, प्रिया कुमारी, सृष्टि कुमारी, साक्षी कुमारी, रागनी कुमारी और आरती कुमारी सहित अन्य छात्राओं ने अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। छात्राओं की कलाकृतियों में रंगों, रेखाओं और चित्र संयोजन के माध्यम से सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश उभरकर सामने आया। यह आयोजन रचनात्मक शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं में सामाजिक जिम्मेदारी और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा।

झारखंड

बच्चों की कला और संस्कृति को नई पहचान दे रहा रोहित आर्ट

ज्योति पाठक

कोल्हान : बच्चों में छिपी कला एवं सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने और उन्हें बेहतर मंच प्रदान करने की दिशा में रोहित आर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रोहित आर्ट के प्रमुख रोहित दास बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

रोहित दास का मानना है कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा और कुछ नया सीखने की लगन होती है। जरूरत सिर्फ उन्हें उचित माहौल, मार्गदर्शन और अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर देने की है। इसी उद्देश्य से रोहित आर्ट कोल्हान के तीनों जिलों के बच्चों को अपनी प्रतिभा सामने लाने के लिए प्रेरित कर रहा है। संस्थान के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। बच्चे अपनी कला और प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों की सराहना हासिल कर रहे हैं। रोहित दास का कहना है कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए उसे पहचानना और सही दिशा देना बेहद जरूरी है। इसके लिए बेहतर वातावरण और नियमित प्रोत्साहन की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों के माता-पिता की भूमिका की भी सराहना की। उनका कहना है कि अभिभावक बच्चों को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जो उनकी सफलता में अहम योगदान देता है। रोहित आर्ट का उद्देश्य बच्चों को उचित मंच और अवसर देकर उनकी प्रतिभा को निखारना तथा कला-संस्कृति के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा देना है। बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में संस्थान के इन प्रयासों की सराहना की जा रही है।



यदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष की प्रतिमा व नामकरण के प्रस्ताव पर राज्यपाल सचिवालय की पहल

हृदयानंद मिश्र के अभ्यावेदन पर पलामू उपायुक्त को पत्र, नियमानुसार कार्रवाई का अनुरोध

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू के लहान स्वतंत्रता सेनानी एवं संविधान सभा के सदस्य यदुवंश सहाय ह्ययुद बाबूहू तथा अमिय कुमार घोष ह्यगोपा बाबूहू की ऐतिहासिक विरासत को सार्वजनिक स्मृति में स्थायी स्थान दिलाने की पहल को महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रगति मिली है। झारखंड राज्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य एवं अधिवक्ता हृदयानंद मिश्र के अभ्यावेदन पर राज्यपाल सचिवालय ने संज्ञा लेते हुए पलामू के उपायुक्त को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पत्र भेजा है।

हृदयानंद मिश्र ने 16 सितंबर 2026 को महामहिम राज्यपाल के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत कर दोनों महान विभूतियों की प्रतिमाएं स्थापित करने और सार्वजनिक स्थलों का नामकरण उनके नाम पर करने का अनुरोध किया था। राज्यपाल सचिवालय के उप सचिव सागर कुमार द्वारा जारी पत्र का क्रमांक विविध-23/2026 (पोर्ट-कंक)-2315/रा0स0 है। यह पत्र 1 अक्टूबर 2026 को जारी किया गया। सचिवालय ने अभ्यावेदन की छायाप्रति पलामू

भाजपा नेता सुजीत पासवान ने रूपी सोरेन के निधन पर जताया गहरा शोक

मेदिनीनगर : भाजपा नेता सुजीत पासवान ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिवू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि रूपी सोरेन के निधन से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं दिवंगत आत्मा के प्रति हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

जपला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत, पहचान में जुटी पुलिस

हुसैनाबाद : जपला रेलवे स्टेशन के पास गल्स स्कूल के सामने डाउन रेलवे ट्रैक पर पोल संख्या 365/6 के समीप ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलने पर हुसैनाबाद थाना पुलिस और जपला आरपीएफ मौके पर पहुंची।

चंदवा को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने पर मंथन, एनएच पर बसों के ठहराव का मुद्दा उठा

सार्वजनिक शौचालय और शुक्र बाजार की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने पर भी हुई चर्चा

संवाददाता

लातेहार : चंदवा शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त बनाने को लेकर प्रशासनिक स्तर पर पहल तेज की जा रही है। इसे लेकर आयोजित बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसों के अनियंत्रित ठहराव, सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था और शुक्र बाजार में साफ-सफाई सहित कई जनसमस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक में शहर की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने और नागरिकों को गंदगी एवं प्रदूषण से राहत दिलाने पर जोर दिया गया। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसों के ठहराव से उत्पन्न होने वाली परेशानियों को दूर करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसके अलावा शहर के विभिन्न हिस्सों में फैली गंदगी की समस्या के समाधान तथा सार्वजनिक शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। शुक्र बाजार में नियमित साफ-सफाई की आवश्यकता पर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया। समन्वय से होगा समस्याओं का समाधान शहर को स्वच्छ रखने के लिए जनप्रतिनिधियों,



कार्पोरेट कंपनियों और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय

स्थापित करने की जरूरत बताई गई। बैठक में उठाए गए मुद्दों के

माध्यम से शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने और



टीबी मुक्त अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए धनवार मुखिया सम्मानित

बरही : टीबी मुक्त अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बरही प्रखंड की धनवार पंचायत के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद को जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ह्यजोशहू (जॉइंट स्ववाद फॉर हेल्थ) टीम का उद्घाटन किया गया तथा टीबी उन्मुलन अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। मुखिया राजेन्द्र प्रसाद को सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, मेयर अरविंद राणा, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. आर.के. जायसवाल सहित अन्य अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया। टीबी मुक्त अभियान के तहत किए गए कार्यों के आधार पर धनवार पंचायत को पूरे प्रखंड में सिल्वर श्रेणी प्राप्त हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पंचायत में टीबी मरीजों की पहचान, लोगों को जागरूक करने तथा समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी पहल की गई। इसी कार्य के लिए पंचायत को यह उपलब्धि मिली है। सम्मान प्राप्त करने के बाद मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि टीबी मुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

पलामू के चार बालू घाटों की नीलामी से सरकार को मिलेगी 26.59 करोड़ रुपए की कमाई

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : जिले में बालू घाटों की नीलामी से राज्य सरकार को बड़ी राजस्व प्राप्ति होने जा रही है। शुक्रवार को जिला प्रशासन की ओर से कैटेगरी-2 के चार बालू घाटों की ऑनलाइन नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। इन घाटों की नीलामी से सरकार को कुल 26 करोड़ 58 लाख 73 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। नीलामी प्रक्रिया में कुल 13 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। नीलामी में पांकी प्रखंड के बरवैया बालू घाट को लेकर सबसे अधिक चर्चा रही। इस घाट के लिए न्यूनतम बोली 1 करोड़ 29 लाख 72 हजार 623

रुपये निर्धारित की गई थी, लेकिन कमलेश प्रसाद ने 5 करोड़ 25 लाख 45 हजार 300 रुपये की उच्चतम बोली लगाकर घाट अपने नाम किया। न्यूनतम निर्धारित राशि से करीब चार गुना अधिक अतिरिक्त बोली के साथ इसकी ऑटम कीमत लगभग पांच गुना तक पहुंच गई। इस घाट के लिए करीब 50 राउंड तक बोली लगाई गई, जो नीलामी प्रक्रिया का प्रमुख आकर्षण रहा। वहीं, विश्रामपुर प्रखंड के लालगढ़ बालू घाट के लिए प्रमोद प्रसाद ने 11 करोड़ 56 लाख 28 हजार 600 रुपये की सर्वाधिक बोली लगाई। लेस्लीगंज प्रखंड के मिसिर पतरा बालू घाट को अमित कुमार सिन्हा ने 6 करोड़

16 लाख 40 हजार 500 रुपये में हासिल किया। जबकि हैदरनगर प्रखंड के कबरा कला बालू घाट के लिए शशिकांत गुप्ता उर्फ गुड्डू गुप्ता ने 3 करोड़ 60 लाख 58 हजार 600 रुपये की उच्चतम बोली लगाई। जिला प्रशासन ने 9 अक्टूबर को झारखंड टेंडर्स पोर्टल के माध्यम से पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई। इससे पहले कंकि खुर्द बालू घाट की नीलामी भी सफलतापूर्वक हो चुकी है। इसके साथ ही जिले में कैटेगरी-2 के कुल पांच बालू घाटों की नीलामी पूरी हो गई है।जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने नीलामी में भाग लेने वाले व्यवसायियों के प्रति आभार जताया।

आम लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। बैठक में एसडीओ दिनेश कुमार, सीओ सुमित कुमार झा, बीडीओ चंदन प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि दीपक निषाद, विधायक प्रतिनिधि आदर्श रविराज, विजय दुबे, राजकुमार पाठक, मनोज चौधरी, रिकी वर्मा, अंकित तिवारी सहित विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियों के प्रतिनिधि एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अब इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से उठाए जाने वाले कदमों पर लोगों की नजरें टिकी हैं। बैठक में हुई चर्चा को धरातल पर उतारना शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की दिशा में अहम होगा।

